

न्यूज ब्रीफ

1.13 लाख मीट्रिक टन
खाद ज्यादा उपलब्ध

अमृत विचार, लखनऊः कृषि मंत्री सूर्य

प्रताप शाही ने सोमवार को कृषि भवन

के समाप्तान में विभागीय योजनाओं

की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने खाद की

उपलब्धता व डिल्डोर के प्रतिनिधियों

के साथ सीढ़ी पार्क और सीढ़ी पॉलिसी

की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि

एमपीएमपीस पोर्टल के अनुसार 26

अक्टूबर 2025 तक उर्वरक प्राप्त हो चुका है।

जिसमें से 7,36 लाख मीट्रिक टन की

विक्री की जा चुकी है। इस प्रकार राज्य

में 25,32 लाख मीट्रिक टन उर्वरक

का उर्वरक किसानों की आशयकताओं

की पूर्ति के लिए उपलब्ध है। जो गर

र्वप की इसी अवधि में उपलब्ध 24,19

लाख मीट्रिक टन का सापेख 1.13 लाख

मीट्रिक टन अधिक है। बैठक के दौरान

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सख्त

निर्देश दिए कि बीज, खाद, कृषि यंत्र

सहित अन्य सभी सीधीयां किसानों

तक समय पर पहुंचाइ जायें।

सपाने मुख्य निर्वाचन

अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊः सपा ने मुख्य

निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश की

ज्ञापन देकर मांग की है कि गोरखपुर

और देवरिया के जिला विद्यालय

निरीक्षकों (डीआईआरएस) के विरुद्ध

तकाल कार्यालय की जाए। उन्होंने

अरोग लगाया है कि इन अधिकारियों

द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के नियमों

एवं निर्देशों की अवहेलना करते हुए

वित्तविहीन शिक्षकों से वेतन विवरण

और नियुक्ति पर अद्वितीय सभी योगी जा

रहे हैं, उन्हें महात्मा बनने से रोका जा

रहा है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम

लाल पाल ने कहा कि गोरखपुर-

फैजाबाद खड़े शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में

मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया

में अद्वितीय उत्तरन की जा रही है। प्रदेश

अध्यक्ष ने मांग की है कि वित्तविहीन

शिक्षकों के कार्यालय-19 की स्थीकार

किया जाए, ताकि वे मतदाता सूची में

शामिल हो सकें।

सुल्तानपुर के

कार्यवाहक सीएमएस

निलंबित

अमृत विचार, लखनऊः सुल्तानपुर में

पीर सिंहपुर रिश्त 100 शैया समुक्त

विकित्सालय के कार्यवाहक मुख्य

विकासी अधिकारी डॉ. भारक प्रसाद

को शासन द्वारा अमरीकी बाधा का

उपचार समेत कई अन्य गंभीर आरोग्यों

के बलते तकाल प्रभाव से निलंबित

कर दिया गया है। इस दौरान उन्हें अपर

निर्देशक, अयोध्या मंडल से संबंध कर

दिया गया गया है। अपर मुख्य सचिव अमित

कुमार धोनी के निर्देश पर अदेशनुसार,

डॉ. भारक प्रसाद के विरुद्ध कई

श्वसनीय और गंभीर प्रसारित हैं।

जिसका नियंत्रण सोशल मीडिया पर

वायरल हो गया और राज्य सरकार ने

इसे गंभीरता से लेते हुए गंभीर आरोग्य

माना है।

पांच सरकारी भवन बनेंगे दिव्यांग हितैषी

राज्य ब्लूरो, लखनऊ

● सुगम्य भारत अभियान के तहत लिया गया निर्णय

अमृत विचार : वित्तीय वर्ष 2025-26 में सुगम्य भारत अभियान के दूसरे चरण के तहत राजधानी लखनऊ के पांच प्रमुख सरकारी भवनों को दिव्यांग हितैषी बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए 12 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि स्वीकृत की गई है।

इस पहले पर जिन भवनों का चयन

किया गया है, उनमें योजना भवन

(हैवलॉक रोड), सिंचाई भवन

(कैन्ट रोड), जिला सेवायोजना

कार्यालय (लालबाग), विकास

अनुसुन्धान एवं प्रशिक्षण प्रभाग

(कालाकांक हाउस) और सूदू

शामिल हैं। इन भवनों में एकसेस

ट्रैक, डीसीएम व ट्रैक्टर आदि को

प्रवेश नहीं मिलेगा। एसपी यातायात

एपी सिंह ने बताया कि इस दौरान

आवश्यक सेवा वाले वाहनों पर यह

प्रतिबंध लागू नहीं होगा।

अयोध्या हाईवे पर 38 घंटे बंद रहेगा भारी वाहनों का प्रवेश

14 कोसी परिक्रमा को लेकर 29 अक्टूबर की शाम 6 बजे से 31 की सुबह 8 बजे तक लागू रहेगा डायरेंज

अयोध्या कार्यालय

यहां रहेगा डायरेंज

■ सुल्तानपुर से आने वाले वाहनों को

कूम्हार से, रायबरेली से आने वाले

वाहनों को हलियपुर से वे अमावास्या,

अंडेकरनगर से आने वाले वाहनों

को गोहना मोड अंडेकरनगर से

दोस्तपुर होकर यूवाचल एक्सप्रेस-वे

पर डायरेंज किया जाएगा।

■ गोरखपुर संकरण राजनगर, दरसी से

आने वाले वाहनों को फूटहिया वॉकी

थाना नगर से कलारी से टांडा से

हैदरपुर से दोस्तपुर से पूर्वांचल

एक्सप्रेस-वे पर डायरेंज किया जाएगा।

■ बरसी की ओर से आने वाले वाहनों को

लोलपुर से नवगंगन गोड़ी की ओर

भैंडार वाले वाहनों को लोलपुर से

बरसी की ओर डायरेंज किया जाएगा।

■ गोरखपुर संकरण राजनगर, बांसी,

मेहदारपुर, डुर्योदारा और उत्तरांग

बलरामपुर, गोडा और बिलारी से आने वाले वाहन

जरवल रोड राजाहा से वापस आकर

बहराइच की ओर जाकर टिकोरा



कानून की ओर से आने वाले वाहनों को कानून उत्तरांग, मौरावी, मोहनलालमंज, गोसाईगंग, बांदरसराय से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डायरेंज किया जाएगा।

लखनऊ में आगरा एक्सप्रेस-वे से आने वाले वाहनों को महान, जुनाबाज, मोहनलालमंज, गोसाईगंग से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डायरेंज किया जाएगा।

सीतापुर शहजाहापुर से आने वाले वाहनों को आईएमएम रोड दूबगा से आलमबाग, नहरिया से शहीद पथ होते हुए अहिमामुक होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डायरेंज किया जाएगा।

योगी ने अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की थी तैयारी

छठ महापर्व में शामिल हुए म

न्यू श्री नारायण हॉस्पिटल

डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन

डा. राम निवास
एम.बी.बी.एस., एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ

डा. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन

डॉकर्स पैनल

डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन	डा. ओमवती एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. स्ट्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. अहमद अली अंसारी एम.बी.बी.एस., डी.जी.एस., प्र०. विज्ञान शिक्षण एवं वाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)	डा. कन्दन कुमार एम.बी.बी.एस., एमसीएच चूरू सर्जन	डा. अमन अध्यावाल एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.एच. चूरू सर्जन
डा. सुजाय मुखर्जी एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लोगोस्योफिक सर्जन	डा. बिश्वानंत गुप्ता एम.बी.बी.एस., एम.एस., (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. प्रिया सिंह एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ., डी.एन.जी. स्ट्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुषीष कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. रघवर इदवीश बी.डी.एस., एमसीएचीएल सर्जन	डा. राजा गुप्ता बी.ए.एम.एस., डी.एम.ओ.

उपलब्ध सुविधायें :

- सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज
- दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा
- दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा
- दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा।
- छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण
- घुटना व कूदना बदलने की सुविधा उपलब्ध
- नॉर्मल फिल्मीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन
- बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
- वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU

डॉ. पिंगेर कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर

ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन

समस्त प्रकार के दूर्धीन व धीर वाले आपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

लाल फाटक शातिकुंज स्पूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बलायू रोड, बरेली
हैल्पलाइन नं. : 8057953868

माल गोदाम पर ट्रक की टक्कर से अधेड़ की मौत

कैट, अमृत विचार : कैट रेलवे स्टेशन पर स्थित सीमेंट गोदाम से घर वापस लौट रहा अधेड़ एक ट्रक की टक्कर लगाने से गंभीर घायल हो गया। घायल को लाल फाटक स्थित एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की तरहर पर पुलिस ने रविवार देर रात आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना विथरी चैनपुर के मेहतपुर करोर भागीतीपुर राजाराम मजरा ग्राम मानपुर निवासी आकाश यादव ने बताया, कि वह पिता उरमान सिंह के साथ रविवार दोपहर कैट

बताया, कि वह पिता उरमान

सिंह के साथ रविवार दोपहर कैट

मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025



असली ताकत शारीरिक शक्ति में नहीं, बल्कि बुद्धि और आत्म-नियंत्रण में निहित है।
- महर्षि वाल्मीकि

बुजुर्ग हमारी धरोहर, बोझ कदापि नहीं...



अमृत लाल तिवारी
लखनऊ



भौतिका, प्रोलोभन, राग-द्वेष, धन लोलपुता व गलाकाट प्रतिष्ठाप्या की मकड़िजाल में उलझी नई पीढ़ी के दुर्व्यवहार से आज बुजुर्ग उपेक्षित स महसूस करने लगा है। चाहे वह भारत के गांव हो या शहर। अशिक्षित परिवार हो या शिक्षित। गरीब हो या अमीर। पारंपरिक कुनबा हो या वाहां आड़बर में लिप्त समृद्धाय। इन सभी जगहों पर बुजुर्ग समूह अपने को असहाय मानने लगा है।

तैतिका, प्यार, सम्मान, हृदयगत भाव

बुजुर्ग समाज का वो आइना होते हैं, जिसमें पारंपरिक, सांस्कृतिक व नैतिकता का घेरा देखा जा सकता है। स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहारी के बाद भारत में जीवन प्रत्याक्षर बढ़ी है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एंजिंग की हालिया रिपोर्ट के अनुसार बुजुर्गों यानी 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की आवादी का हिस्सा वर्ष 2036 में 15 प्रतिशत व वर्ष 2050 में 20.8 प्रतिशत तक हो जाएगा।

जीवन जीने वाले बुजुर्ग अपने को किसी तरह तो संभाल लिए हैं, लेकिन शहरों में रहने वाले बड़े-बड़े अन्नों के तिरस्कार से अक्सर दो-चार हो रहे हैं। भावनात्मक और व्यावहारिक दोनों तरह की मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। कह सकते हैं, आज के अधिकांश बुजुर्ग उपेक्षा, अकेलापन और भावनात्मक या वित्तीय असुरक्षा की जुनूनीते से जूझने को विवाद है।

यह सच है कि धर-परिवार में बड़े-

बड़े-रोक-टाक करते हैं। जाति-पाति, प्रेम विवाह, अनैतिक कृत्य, प्रब्रह्म आचरण और कई अव्याहारिक गलतियों के खिलाफ मुख्य हो जाते हैं। एक व्यक्ति जो मध्यमर्गीय परिवार में पला बढ़ा होता है, वो जैसे ही अधिक रूप से संपन्न होता है और उसके भीतर से असुरक्षा की भावना कम हो जाती है, वो सबसे पहले अपना मध्यम वर्गीय समाज छोड़ के दूर चला जाता है। पिरज जब उसकी असुरक्षा की भावना और कम होती है और वो अधिक रूप से और सुरक्षित हो जाता है, वो संपन्न लोगों का भी समाज छोड़ कर और दूर चला जाता है। वो कहीं दूर जंगल या पहाड़ में जाकर अपना आशिना बनाकर वहां रहने लगते हैं और उसी समाज की खुब तुराइयां करते हैं, जिनमें जीवन की व्यापारी व्यवाहारिक ही हैं। इसका आशय विल्कुल नहीं कि एक-दूसरे के सदस्य अपनी मनवाली करते हुए असामाजिक कृत्य करें? यह सच है कि तथाकथित प्रगति, सुविधाओं और शांतिपूर्ण जीवन की चाह में एकल परिवार की संकल्पना फली-फूली है, लेकिन यह उतना ही कठु है कि ऐसे परिवारों में बुजुर्गों की उपेक्षा भी परवान पर है।

आर्थिक स्थिति, जाति, वर्ग, लिंग, रहन-सहन-संस्कृति आदि की भिन्नताएं वृद्ध जीवन के कई प्रकार से प्रभावित करती हैं, लेकिन बुजुर्गों का सम्मान नई पीढ़ी के लोगों का "नैतिक अवमूल्य" ही है। वर्षामान में करीब 15 करोड़ बुजुर्ग देश में निवास कर रहे हैं। वे कई जुनूनियों से जूझा ही रहे हैं। पूरुष व महिलाओं की वर्तमान जीवन प्रत्याशा दर भी क्रमशः 68.3 वर्ष और 69.7 वर्ष है। आगामी दिनों में इसमें और बुद्धि वीर्य से संभावना। परिवारी देशों की परंपराएं और संस्कृति भारत से भिन्न। देश में बड़ते वृद्धाश्रम का आयोगित चलने वाले समाज व संस्कृति के लिए सर्वथा अहितकर। हम ऐसे देश के वासी हैं, जहां बुद्ध हमेशा से "पूजनीय" रहे हैं। आज की पीढ़ी बस इनाही से संमादा ले जिंबूले भारत की संस्कृति व परपारा के रखवाले हैं। परिवार व समाज के लिए "वरदान" है, अभिशाप तो कदापि नहीं।

आर्थिक स्थिति, जाति, वर्ग, लिंग, रहन-सहन-संस्कृति आदि की भिन्नताएं वृद्ध जीवन के कई प्रकार से प्रभावित करती हैं, लेकिन बुजुर्गों का सम्मान नई पीढ़ी के लोगों का "नैतिक अवमूल्य" ही है। वर्षामान में करीब 15 करोड़ बुजुर्ग देश में निवास कर रहे हैं। वे कई जुनूनियों से जूझा ही रहे हैं। पूरुष व महिलाओं की वर्तमान जीवन प्रत्याशा दर भी क्रमशः 68.3 वर्ष और 69.7 वर्ष है। आगामी दिनों में इसमें और बुद्धि वीर्य से संभावना। परिवारी देशों की परंपराएं और संस्कृति भारत से भिन्न। देश में बड़ते वृद्धाश्रम का आयोगित चलने वाले समाज व संस्कृति के लिए सर्वथा अहितकर। हम ऐसे देश के वासी हैं, जहां बुद्ध हमेशा से "पूजनीय" रहे हैं। आज की पीढ़ी बस इनाही से संमादा ले जिंबूले भारत की संस्कृति व परपारा के रखवाले हैं। परिवार व समाज के लिए "वरदान" है, अभिशाप तो कदापि नहीं।

आर्थिक स्थिति, जाति, वर्ग, लिंग, रहन-सहन-संस्कृति आदि की भिन्नताएं वृद्ध जीवन के कई प्रकार से प्रभावित करती हैं, लेकिन बुजुर्गों का सम्मान नई पीढ़ी के लोगों का "नैतिक अवमूल्य" ही है। वर्षामान में करीब 15 करोड़ बुजुर्ग देश में निवास कर रहे हैं। वे कई जुनूनियों से जूझा ही रहे हैं। पूरुष व महिलाओं की वर्तमान जीवन प्रत्याशा दर भी क्रमशः 68.3 वर्ष और 69.7 वर्ष है। आगामी दिनों में इसमें और बुद्धि वीर्य से संभावना। परिवारी देशों की परंपराएं और संस्कृति भारत से भिन्न। देश में बड़ते वृद्धाश्रम का आयोगित चलने वाले समाज व संस्कृति के लिए सर्वथा अहितकर। हम ऐसे देश के वासी हैं, जहां बुद्ध हमेशा से "पूजनीय" रहे हैं। आज की पीढ़ी बस इनाही से संमादा ले जिंबूले भारत की संस्कृति व परपारा के रखवाले हैं। परिवार व समाज के लिए "वरदान" है, अभिशाप तो कदापि नहीं।

आर्थिक स्थिति, जाति, वर्ग, लिंग, रहन-सहन-संस्कृति आदि की भिन्नताएं वृद्ध जीवन के कई प्रकार से प्रभावित करती हैं, लेकिन बुजुर्गों का सम्मान नई पीढ़ी के लोगों का "नैतिक अवमूल्य" ही है। वर्षामान में करीब 15 करोड़ बुजुर्ग देश में निवास कर रहे हैं। वे कई जुनूनियों से जूझा ही रहे हैं। पूरुष व महिलाओं की वर्तमान जीवन प्रत्याशा दर भी क्रमशः 68.3 वर्ष और 69.7 वर्ष है। आगामी दिनों में इसमें और बुद्धि वीर्य से संभावना। परिवारी देशों की परंपराएं और संस्कृति भारत से भिन्न। देश में बड़ते वृद्धाश्रम का आयोगित चलने वाले समाज व संस्कृति के लिए सर्वथा अहितकर। हम ऐसे देश के वासी हैं, जहां बुद्ध हमेशा से "पूजनीय" रहे हैं। आज की पीढ़ी बस इनाही से संमादा ले जिंबूले भारत की संस्कृति व परपारा के रखवाले हैं। परिवार व समाज के लिए "वरदान" है, अभिशाप तो कदापि नहीं।

आर्थिक स्थिति, जाति, वर्ग, लिंग, रहन-सहन-संस्कृति आदि की भिन्नताएं वृद्ध जीवन के कई प्रकार से प्रभावित करती हैं, लेकिन बुजुर्गों का सम्मान नई पीढ़ी के लोगों का "नैतिक अवमूल्य" ही है। वर्षामान में करीब 15 करोड़ बुजुर्ग देश में निवास कर रहे हैं। वे कई जुनूनियों से जूझा ही रहे हैं। पूरुष व महिलाओं की वर्तमान जीवन प्रत्याशा दर भी क्रमशः 68.3 वर्ष और 69.7 वर्ष है। आगामी दिनों में इसमें और बुद्धि वीर्य से संभावना। परिवारी देशों की परंपराएं और संस्कृति भारत से भिन्न। देश में बड़ते वृद्धाश्रम का आयोगित चलने वाले समाज व संस्कृति के लिए सर्वथा अहितकर। हम ऐसे देश के वासी हैं, जहां बुद्ध हमेशा से "पूजनीय" रहे हैं। आज की पीढ़ी बस इनाही से संमादा ले जिंबूले भारत की संस्कृति व परपारा के रखवाले हैं। परिवार व समाज के लिए "वरदान" है, अभिशाप तो कदापि नहीं।

आर्थिक स्थिति, जाति, वर्ग, लिंग, रहन-सहन-संस्कृति आदि की भिन्नताएं वृद्ध जीवन के कई प्रकार से प्रभावित करती हैं, लेकिन बुजुर्गों का सम्मान नई पीढ़ी के लोगों का "नैतिक अवमूल्य" ही है। वर्षामान में करीब 15 करोड़ बुजुर्ग देश में निवास कर रहे हैं। वे कई जुनूनियों से जूझा ही रहे हैं। पूरुष व महिलाओं की वर्तमान जीवन प्रत्याशा दर भी क्रमशः 68.3 वर्ष और 69.7 वर्ष है। आगामी दिनों में इसमें और बुद्धि वीर्य से संभावना। परिवारी देशों की परंपराएं और संस्कृति भारत से भिन्न। देश में बड़ते वृद्धाश्रम का आयोगित चलने वाले समाज व संस्कृति के लिए सर्वथा अहितकर। हम ऐसे देश के वासी हैं, जहां बुद्ध हमेशा से "पूजनीय" रहे हैं। आज की पीढ़ी बस इनाही से संमादा ले जिंबूले भारत की संस्कृति व परपारा के रखवाले हैं। परिवार व समाज के लिए "वरदान" है, अभिशाप तो कदापि नहीं।

आर्थिक स्थिति, जाति, वर्ग, लिंग, रहन-सहन-संस्कृति आदि की भिन्नताएं वृद्ध जीवन के कई प्रकार से प्रभावित करती हैं, लेकिन बुजुर्गों का सम्मान नई पीढ़ी के लोगों का "नैतिक अवमूल्य" ही है। वर्षामान में करीब 15 करोड़ बुजुर्ग देश में निवास कर रहे हैं। वे कई जुनूनियों से जूझा ही रहे हैं। पूरुष व महिलाओं की वर्तमान जीवन प्रत्याशा दर भी क्रमशः 68.3 वर्ष और 69.7 वर्ष है। आगामी दिनों में इसमें और बुद्धि वीर्य से संभावना। परिवारी देशों की परंपराएं और संस्कृति भारत से भिन्न। देश में बड़ते वृद्धाश्रम का आयोगित चलने वाले समाज व संस्कृति के लिए सर्वथा अहितकर। हम ऐसे देश के वासी हैं, जहां बुद्ध हमेशा से "पूजनीय" रहे हैं। आज की पीढ़ी बस इनाही से संमादा ले जिंबूले भारत की संस्कृति व परपारा के रखवाले हैं। परिवार व समाज के लिए "वरदान" है, अभिशाप तो

